गवाहियाँ

क्यूटो के मेनोनाइट लोग शान्ति के लिए प्रार्थना और कार्य करते हैं

ऐना (वास्तविक नाम नहीं), कोलंबिया के मेडेलिन से इक्वाडोर 2016 में अर्धसैनिक बलों से बच कर आई जिन्होंने उसे दो वर्षों तक बन्दी बना कर रखा था। उसे अनेक प्रकार के दुष्कर्मों और हिंसा का सामना करना पड़ा था जिसके कारण वह गर्भवती हो गई थी। इसके अतिरिक्त, उसे बाध्य कर उससे बहुत सारे अपराध करवाए गए। यद्यपि यह महिला अपने देश में हो रही हिंसा से बच कर भाग आई थी, परन्तु पीड़ा और क्रोध ने इक्वाडोर में भी उसका साथ न छोड़ा था।

क्यूटो मेनोनाइट चर्च प्रोजेक्ट जिसमें शरणार्थियों के लिए शान्ति की शिक्षा और मूल्यों पर कार्यशाला आयोजित की जाती है जो विशेष रूप से शरणार्थियों और इक्वाडोर के बच्चों को इस विषय पर शिक्षित करने के लिए है।

जब क्यूटो मेनोनाइट चर्च ने उसकी जिम्मेदारी स्वयं पर ली थी, उस समय वह अपने आप में असुरक्षित, भयभीत, उदास, थकी हुई, और उर्जाहीन महसूस कर रही थी, और जीने की इच्छा खो चुकी थी। किन्तु, कलीसिया ने और शरणार्थियों के लिए चलाई जा रही परियोजना ने उसे ग्रहण किया, उसे समर्थ बनाया और उसकी चंगाई की प्रक्रिया आरम्भ हुई।

आरम्भ से ही, कलीसिया की स्थापना बहुसांस्कृतिक और समावेशी समुदाय को लेकर की गई थी, जो मसीह के जीवन से प्रेरित थे कि न्याय के लिए प्रार्थना और कार्य करने के प्रभु यीशु के उद्देश्य को आगे बढ़ाए और शान्ति स्थापना करे। इक्वाडोर में क्यूटो मेनोनाइट चर्च ने 2002 में मेनोनाइट मिशन नेटवर्क, कोलंबियन मेनोनाइट चर्च और सेन्ट्रल प्लेंस मेनोनाइट कॉंफ्रेंस (लोवा–नेब्रास्का) की एक पहल के रूप में अपने द्वारों को खोला।

कलीसिया को यह बुलाहट दी गई कि वे कोलंबिया में हो रहे हिंसक संघर्ष से बच कर भाग रही

कोलंबियाई जनसंख्या का साथ दे, और इसी कारण से शरणार्थियों के लिए इस परियोजना का आरम्भ किया गया। वर्तमान में, इस परियोजना के अन्तर्गत माह में 100 परिवारों की देखभाल की जाती है और उन्हें मार्गदर्शन, कपड़े, भोजनवस्तु, मनोवैज्ञानिक सहायता, और जीवन की नई शुरुआत करने के लिए बुनियादी आवश्यकताओं की वस्तुएं उपलब्ध कराई जाती हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कमजोर वर्ग के परिवारों को दी जाने वाली भौतिक सहायता सिर्फ सहायता के तौर पर नहीं दी जाती परन्तु इन वस्तुओं के द्वारा उनके लिए दीर्घकालीन समाधान भी किए जाते हैं जिससे उनके सामने इक्वाडोर में एक सम्मानजनक जीवन व्यतीत करने विकल्प तैयार हो सकें।

प्रत्येक माह, शरणार्थियों, इक्वाडोरवासियों, और बच्चों के लिए शान्ति और मूल्यों की कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं ताकि शिक्षा के माध्यम से शान्ति स्थापना की जा सके। विभिन्न संस्कृतियों और स्थानों की महिलाओं के साथ भी सभाएं आयोजित की जाती हैं। यहाँ वे अपने अनुभवों को बाँटती हैं, एक दूसरे की देखभाल करना सीखती हैं, और मसीह के कदमों का निर्भीक हो कर अनुसरण करते हुए सत्य की आवाज को बुलन्द करती हैं।

इस वर्ष, कलीसिया का संचालन एक राष्ट्रीय पासवान दल के द्वारा किया जा रहा है जिसमें चार गैरअभिषिक्त महिलाए हैं जो स्वयंसेविकाओं के रूप में पासवानी कार्य को पूरा करती हैं और शिष्यता और पासवानी देखभाल के माध्यम से स्थानीय अगुवों को दृढ़ता प्रदान करना चाहती हैं।

कलीसिया का बहुसांस्कृतिक स्वाभाव उस कलीसिया में आने वाले लोगों के लिए, और ऐसे लोगों के सामने एक समृद्ध विविधता प्रस्तुत करता है जिन्होंने शान्ति के लिए विकल्प ढूंढ़ते हुए, और उनके देश में हुए हिंसा से मिले घावों को चंगा करने की इच्छा रखते हुए, आपसी भाईचारा, मेलमिलाप, क्षमा की ठोस अभिव्यक्ति के माध्यम से परमेश्वर के प्रेम को व्यवहार में लाने की इच्छा को ऐनाबैपटिस्टवाद में पाया है।

शरणार्थियों के लिए संचालित की जा रही परियोजना को मेनोनाइट सेन्ट्रल कमेटी की ओर से आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है, साथ ही इक्वाडोर के परिवार और कलीसियाएं भी कपड़ों और अन्य आवश्यक वस्तुओं का प्रबन्ध कर रहे हैं। इस साझा कार्य से हमें सहायता मिली है कि हम यह जान सकें कि मानवीय सहायता उपलब्ध कराने और साझा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मिशन और सहयोग को एक साथ जोड़ना एक अच्छा तरीका है।

इस परियोजना के माध्यम से, कलीसिया विश्वास और सेवा, क्षमा और मेलमिलाप, और विभिन्न संस्कृतियों के बीच सामंजस्यपूर्ण मिलन को देख सकी।

ऐना के साथ हमने महीनों बिताते हुए उसका काफी उपचार किया, और हमने यह पाया कि हिंसा और अन्याय क्षमा करने की उसकी क्षमता को नष्ट करने में सफल नहीं हुए, और न उसके आनन्द और स्वप्नों को छिना जा सका।

अब ऐना की यह इच्छा और प्रयास है कि वह महाविद्यालय में दर्शनशास्त्र का अध्ययन करने को एक स्कॉलरशीप प्राप्त कर सके और सबसे बड़ी बात उसने यह निर्णय लिया कि वह हमेशा प्रसन्न रहेगी। हम परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं कि उसने हमें ऐसे माध्यम बनाया जिसके द्वारा परमेश्वर का अनुग्रह और प्रेम ऐसे लोगों तक बह सकता है जिन्होंने किसी न किसी प्रकार की हिंसा के कारण अत्याचार सहा है।

– दानियेला सांचेज और एलेक्ज़ान्ड्रा मेनेसेस, प्रोजेक्ट विथ रेफयूजी पीपल, क्यूटो मेनोनाइट चर्च के संयोजकगण के द्वारा जारी मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस की एक प्रेस विज्ञप्ति।